विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 23 से 29 जनवरी 2025 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 30 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

जीवन में माता-पिता जैसा त्यागी कभी हो नहीं सकता है. कुछ पिता भी अपवाद हो सकते हैं, जो शौक के खातिर परिवार की खुशियों को तिलांजलि देते हैं. लेकिन अधिकांश पिता अपने परिवार के आधार होते हैं. इसलिए उनका सदैव सम्मान करना चाहिए, इससे घर में समृद्धि,सुख दोनों ही रहेगा.

पेज नंबर 2

बेरोजगारों के साथ किया जाता मजाक है गंभीर

पेज नं.2

गणतंत्रता दिवस पर सभी देशवासी लें ऐसा संकल्प

पेज क्र.3

वादे के भी पक्के हैं गोलोक धाम के संचालक कथाकार पूज्य शिव गुरू शर्मा महाराज,ज्ञानशांति में सत्संग

पेज नं. 4

पुष्करिणी में डुबकी से तर जाता है मानव जीवन, भगवान बालाजी हैं साक्षात्कारी

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

आग को तत्काल काबू में लाया प्रशासन ने

महाकुंभ में भीषण हादसे के बाद भी जीवित हानि नहीं होने को लेकर आस्था का बढ़ा विश्वास,सतर्क व्यवस्था सराहनीय

सर्वेश दुबे, 22 जनवरी

प्रयागराज-श्रीकरपात्र धाम-वाराणसी और गीता प्रेस गोरखपुर के शिविर में हुई अग्नि दुर्घटना के दौरान 30 फीट ऊंची लपटें उठीं. घटना की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चंद मिनटों में ही पांच हजार स्क्वॉयर फीट एरिया वाला पूरा शिविर चौतरफा आग से घिर चुका था. इसके साथ ही यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं है कि इतना बड़ा अग्निकांड होने के बाद भी किसी तरह की जीवित हानि नहीं होने पाई और सरकार द्वारा किए गए इंतजामों ने स्थिति पर काबू पा लिया. इसे भी करोड़ों लोग इस पुण्यक्षेत्र की महिमा के रूप में देख रहे हैं. अमरावती जिले से भी कुंभ स्नान के लिए 40 हजार से अधिक भक्त पहुंचे हैं. करोड़ों लोगों की भीड़ के बाद भी जिस तरह से प्रशासन, दमकल विभाग ने सभी कुछ संभाला, वह भी कम हैरत वाला नहीं है. कुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर 19 में श्रीकरपात्र धाम वाराणसी और गीता प्रेस गोरखपुर के शिविर में आग लगने से फूस और बांस के बने 280 कॉटेज जलकर राख हो गए. इन कॉटेजों में रखे 13 एलपीजी सिलिंडर भी आग की चपेट में आकर फट गए और अफरातफरी मच गई. इस दौरान पांच बाइकें और पांच लाख रुपये की नकदी भी जल गई. हरियाणा, सिलीगुड़ी और प्रतापगढ़ के तीन श्रद्धालु झुलस गए **शेष पेज 2 पर**

रविवार को बहिरम मेले में रचेगा भक्तों की भीड़ का इतिहास

विदर्भ स्वाभिमान, 22 जनवरी

अमरावती-भारत को त्यौहारों का देश कहा जाता है. यहां की संस्कृति महान है, इसके साथ ही स्वार्थ से परमार्थ का सबसे बेहतरीन माध्यम हमारे यहां आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजन होते हैं. विदर्भ की सबसे बड़े बहिरम मेले में पिछले रविवार को दो लाख से अधिक भक्तों का रिकार्ड बना रहा. यहां शंकरपट के साथ ही कुश्ती स्पर्धा तथा अन्य कार्यक्रमों के साथ ही हजारों लोगों को जहां रोजगार मिल रहा है, वहीं मेले के आखिरी रविवार 26 जनवरी को यहां पर भक्तों का महासैलाब उमड़ने की संभावना है. बहिरम मेला समूचे विदर्भ ही नहीं बल्कि राज्य में सुख्यात है.यहां पर लाखों की संख्या में भक्त आते हैं. इसमें अमरावती शहर से ही 30 से 35 हजार युवक मेले में पहुंचते हैं.श्रद्धा भक्ति के साथ ही इस मेले के माध्यम से हजारों लोगों को रोजगार मिलता है. मटन हंडी के साथ ही यहां की रोडगा पार्टी पूरे देश में सुख्यात है. अमरावती जिला पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद के साथ ही जिला परिषद प्रशासन द्वारा इस मामले में किया गया प्रयास निश्चित ही सराहनीय है. रविवार को अपार भीड़ उमड़ने की संभावना है.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की तीसरी किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय गोविंदा.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

महावितरण की नौकर भर्ती ने तोड़ा युवाओं का दिल

बढ़ती बेरोजगारी के दौर में कभी सरकारी विभाग में जगह निकलती है तो लाखों की संख्या में युवाओं द्वारा आवेदन किया जाता है. लेकिन भ्रष्टाचार ने योग्यता के साथ विश्वासघात करने का अनुभव पिछले कुछ वर्षों में युवाओं को आ रहा है. महावितरण में नौकर भर्ती को लेकर जिस तरह की स्थिति पैदा हुई और 2023 से जारी प्रक्रिया और गड़बड़ी के कारण सूची की घोषणा की गई और इसे पालकमंत्री तक शिकायत करने की बात उभर कर सामने आ रही है, यह निश्चित ही युवाओं के साथ छल कहा जाएगा. बेरोजगारी किस तरह आर्थिक,मानसिक और शारीरिक परेशानी पैदा करती है, यह वही युवक-युवती समझ सकते हैं, जिन पर पढ़ाई के बाद नौकरी नहीं लगने पर घर और बाहर दोनों ही ओर से ताने कसे जाते हैं. ऐसे में महावितरण की नौकर भर्ती में हुई गड़बड़ी की शिकायतों की जांच करने और योग्य युवाओं को नौकरी देने की दिशा में गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए. आवेदन भरने से लेकर पैसे लेने वाली सरकार द्वारा लाखों रुपए आवेदन शुल्क के नाम से जमा किया जाता है. इसके बाद नौकरी की आस में युवक युवतियों द्वारा जी जान से पढ़ाई की जाती है. परीक्षा देने के बाद इस उम्मीद के साथ युवा वर्ग खुश होता है कि उनका पेपर अच्छा गया है और उन्हें नौकरी मिलने वाली है. लेकिन अचानक खबर आती है कि परीक्षा में धांधली हुई है और परीक्षा में चुने गए उम्मीदवारों का नतीजा रोक दिया गया है. ऐसे समय कितना बड़ा झटका युवा वर्ग को लगता होगा इसका अंदाजा ना तो प्रशासन को है और ना ही अमरावती जिले के नेताओं को ही है. अक्टूबर 2024 में महावितरण में कर्मचारी भर्ती की परीक्षा ली गई थी. परीक्षा लेने की जिम्मेदारी आईबीपीएस संस्था ने ली थी. परीक्षा लेने के बाद ना वेटिंग लिस्ट ना मेरिट लिस्ट 510 उम्मीदवारों के नाम की सूची परीक्षा लेने वाली एजेंसी ने घोषित कर दी थी. परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली करने का आरोप उम्मीदवारों ने लगाते हुए फिर एक बार उनके साथ छलावा होने की बात कही थी.31 दिसंबर को जारी विज्ञापन में महावितरण कंपनी ने कनिष्ठ सहायक के 501 रिक्त पदों के लिए 31 दिसंबर 2023 को पहला विज्ञापन छपवाया था. कंपनी द्वारा तय किए गए कार्यक्रम के मुताबिक फरवरी अथवा मार्च में यह परीक्षा ली जाने वाली थी. इसमें भी बदलाव करते हुए 16 17 व 18 अक्टूबर 2024 को 510 पदों के लिए महावितरण ने इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सिलेक्शन संस्था के माध्यम से यह परीक्षा ली थी.युवाओं की मानसिकता को समझते हुए महावितरण को तत्काल समुचित कदम उठाना चाहिए.

गणतंत्रता दिवस पर सभी लें संकल्प

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

हम सभी सौभाग्यशाली हैं, जिन्हें पवित्र और देवभूमि भारत भूमि में जन्म का सुअवसर मिला है. आने वाले रविवार, 26 जनवरी 2025 को भारत का गणतंत्र दिवस है. सर्वप्रथम सभी देशवासियों को इसकी विदर्भ स्वाभिमान की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं. भारत में नागरिकों को जितनी आजादी है, शायद पूरे विश्व में इतना मजबूत लोकतंत्र कहीं और नहीं होगा. यही कारण है कि हर भारतीय को इस बात का गर्व होना चाहिए कि वह पवित्र भारत भूमि में जन्म लिया है. अंग्रेजी में इसे रिपब्लिक डे के नाम से जाना जाता है.गणतंत्र दिवस वह दिन है, जिस दिन भारतीयों के लिए भारत का कानून लागू हुआ था. हमारी व्यवस्था इस दिन से लागू हुई थी.कुछ बातों को छोड़ दिया जाए तो निश्चित तौर पर गणतंत्रता दिवस पर हर भारतीय को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम हमारे स्वयं के साथ ही देश के हित में जितना संभव होगा, सदैव योगदान देंगे.देश हमारे लिए प्रथम और बाकी बातें दोयम होंगी.

हर साल 26 जनवरी को भारत में गणतंत्र दिवस मनाया जाता है. इस साल यानी 2025 में देश अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा. रिपब्लिक डे 2025 की थीम है- 'स्वर्णिम भारत - विरासत और विकास'. ये दिन भारत के इतिहास के एक बेहद महत्वपूर्ण मोड़ का प्रतीक है. वो दिन जब भारत का संविधान लागू हुआ था. तारीख थी 26 जनवरी 1950 की. जब भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना. यह दिन भारतीय लोकतंत्र की ताकत का प्रतीक है.इससे बड़ी बात और क्या होगी कि विश्व में सबसे अधिक जाति,धर्म,पंथ, भाषा होने की अनेकताके बाद भी हम एक हैं.

15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ था. यानी ब्रिटिश शासन से मुक्ति मिली थी. लेकिन देश को जरूरत थी एक मजबूत कानूनी ढांचे की. तभी संविधान बनाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में संविधान सभा का गठन हुआ था. इस सभा को भारत का संविधान गढ़ने में करीब 3 साल का समय लगा. आखिरकार, 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान अपनाया गया. लेकिन, इसे लागू किया गया था 26 जनवरी 1950 को. क्योंकि 1930 में इसी तारीख को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा पूर्ण स्वराज (पूर्ण स्वतंत्रता) की घोषणा की गई थी.स्वतंत्रता दिवस की तरह ही हर साल गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह नई दिल्ली के कर्तव्य पथ (जिसे पहले राजपथ कहा जाता था) में होता है. राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं.भव्य परेड होती है, जिसमें भारतीय सशस्त्र बल, अर्धसैनिक बल, एनसीसी कैडेट्स और स्कूली बच्चे भाग लेते हैं. हर राज्य की विभिन्न झांकियों के जरिए भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन होता है. इसके साथ ही आधुनिक भारत और आगे बढ़ते भारत की झांकियां भी दिखाई जाती हैं. यह आधुनिक भारत है, जो हर दृष्टि से सक्षम,मजबूत और दुनिया को झुकाने की ताकत रखता है. पिछले कुछ वर्षों में हर क्षेत्र में जहां विकास हुआ है, वहीं अभी भी तंत्र पर गण भारी रहने से इंकार नहीं किया जा सकता है. इसमें सुधार की जरूरत है. आज भी अगर हजारों गांवों में बिजली नहीं पहुंची है और अन्याय पीड़ित को न्याय नहीं मिल रहा है तो इस पर भी विचारमंथन किया जाना चाहिए.

15 अगस्त की तरह ही 26 जनवरी के मौके पर भी देश के वीर जवानों और नागरिकों को उनकी असाधारण बहादुरी और योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है. परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र जैसे सैन्य पुरस्कार दिए जाते हैं. इस मौके पर सभी देशवासियों को संकल्प लेना चाहिए कि हम सभी तन-मन,वचन से राष्ट्र की भलाई के साथ ही जितना संभव हो सकता है, उतना योगदान देंगे.

महाकुंभ में रोज पहुंच रहे हैं लाखों भक्त

पेज 1 से जारी- जबकि दो लोग भगदड़ में जख्मी हो गए.आग बुझने के बाद मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ भी तीन मंत्रियों के साथ पहुंचे. उधर, मेला प्रशासन ने 40 झोपड़ियां और छह टेंट जलने की बात कही है. घटना में 2.5 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान है. सेक्टर 19 में पीपा पुल नंबर 12 के पास मोरी मार्ग पर नए और पुराने रेल पुल के बीच में अखिल भारतीय धर्म संघ, श्रीकरपात्र धाम वाराणसी और गीता प्रेस गोरखपुर का शिविर है. लगभग पांच हजार स्क्वॉयर फीट में फैले इस शिविर के आधे हिस्से में श्रीकरपात्र धाम और शेष हिस्से में गीता प्रेस से जुड़े श्रद्धालु लगभग 300 कॉटेज में ठहरे हुए थे.

कॉटेजों में रखे 13 एलपीजी सिलिंडर भी फटते रहे

रविवार को दोपहर बाद करीब चार बजे श्रीकरपात्र धाम के श्रद्धालु पवन त्रिपाठी के कॉटेज से धुआं उठने लगा. कोई कुछ समझ पाता, इससे पहले ही कॉटेज से लपटें उठने लगीं. शिविर में मौजूद लोगों ने देखा तो शोर मचाना शुरू कर दिया. आग बुझाने के लिए लोग पानी लेकर भी दौड़ पड़े. देखते ही देखते आग फैल गई और अन्य कॉटेजों को भी चपेट में ले लिया. कुछ ही मिनट में 280 कॉटेज जलने लगे और ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं. इन्हीं कॉटेजों में रखे 13 एलपीजी सिलिंडर भी फटते रहे.इस दौरान कॉटेज में जो लोग थे, वह चीखते पुकारते हुए बाहर की ओर भागे. सूचना पर सबसे पहले सेक्टर 19 और फिर अन्य सेक्टरों में स्थित फायर स्टेशनों से एक के बाद एक छोटी-बड़ी 35 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं. फायर सर्विस और पुलिस के साथ ही एनडीआरएफ ने भी पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया. करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका लेकिन तब तक 280 कॉटेज जल चुके थे.श्रीकरपात्र धाम-वाराणसी और गीता प्रेस गोरखपुर के शिविर में हुई अग्नि दुर्घटना के दौरान 30 फीट ऊंची लपटें उठीं. घटना की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चंद मिनटों में ही पांच हजार स्क्वॉयर फीट एरिया वाला पूरा शिविर चौतरफा आग से घिर चुका था.

भीतर मौजूद श्रद्धालु चीखते-पुकारते बाहर भागे. उधर, एक के बाद एक कॉटेजों में रखे 13 एलपीजी सिलिंडर फटने से धमाके होने पर राहगीरों में भगदड़ मच गई. शिविर में शाम चार बजे के करीब सबसे पहले पश्चिम दिशा की ओर से धुआं उठा. कुछ देर बाद एक कॉटेज से होते हुए आग ने अगल-बगल के सभी कॉटेजों को चपेट में ले लिया. आग फिर पूर्व की ओर स्थित कॉटेजों की ओर बढ़ने लगी. बमुश्किल सात से आठ मिनट बीते होंगे कि आग ने शिविर के पूर्व की ओर स्थित सभी कॉटेजों को चपेट में ले लिया. हाल यह था कि पांच हजार स्क्वॉयर मीटर एरिया में बना यह शिविर 15 मिनट के भीतर पूरी तरह से आग की चपेट में आ चुका था. एक साथ कई कॉटेजों के धू-धूकर जलने से हालात यह हुए कि 30-30 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189 .अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

वादे के पक्के हमारे पूज्य शिव गुरू शर्मा महाराज

वचन देना और भूल जाना जहां लोगों की फितरत हैं, वहीं गोलोक धाम गौशाला के संचालक और राष्ट्रीय स्तर पर तेजी से छा रहे श्री शिव महापुराण, श्रीमदभागवत कथा तथा श्रीराम कथा के माध्यम से लाखों लोगों को देशप्रेम, धर्मप्रेम, सनातन धर्म का महत्व बताने वाले पूज्य शिव गुरू शर्मा की वचन देने और निभाने की खूबी क़ा अनुभव आया है.ज्ञान शांति ओल्ड एज होम में गुरूजी का 28 से एक घंटे सत्संग होगा.

मानवता की सेवा सभी धर्मो में श्रेष्ठ

ज्ञानशांति उपवन में सत्संग के लिए स्वयं किया फोन

अमरावती - भागदौड़ भरे जीवन में कुछ ही लोग रिश्तों को निभा पाते हैं. वचन देना और भूल जाना जहां लोगों की फितरत हैं, वहीं गोलोक धाम गौशाला के संचालक और राष्ट्रीय स्तर पर तेजी से छा रहे श्री शिव महापुराण, श्रीमदभागवत कथा तथा श्रीराम कथा के माध्यम से लाखों लोगों को देशप्रेम, धर्मप्रेम, सनातन धर्म का महत्व बताने वाले पूज्य शिव गुरू शर्मा की वचन देने और निभाने की खूबी का अनुभव अमरावतीवासी करेंगे. 28 को खोलापुरी गेट क्षेत्र के मालीपुरा में श्री महारूद्र हनुमान मंदिर में आयोजित होने वाली शिव महापुराण कथा के लिए पहुंच रहे गुरूदेव ने पिछली गड़गड़ेश्ध महादेव मंदिर में शिव महापुराण कथा के दौरान ज्ञान शांति उपवन को भेंट देकर यहां के बुजुर्ग माता-पिता से आत्मीयता से मुलाकात की,वहीं दो-दो राष्ट्रपतियों से सम्मानित होने वाली अंध विद्यालय की सेवानिवृत्त प्राचार्य गौरी गणेश अय्यर को अपनी आई कहा. गुरूदेव के दर्शन से जहां गणेश अय्यर की आंखें नम हो गई, वहीं दूसरी ओर गौरी अय्यर भी इस तरह से परमार्थी और दूसरों की खुशियों का विचार करने वाले गुरूदेव के रूप में पुत्र पाकर धन्य हो गई. गुरूदेव की सबसे बड़ी खूबी यह रही कि वे इस मौके पर यहां वचन देकर आए थे कि अगली कथा जब भी अमरावती में होगी तो वे यहां रोज एक घंटे सत्संग करेंगे. इस बारे में उनका विदर्भ स्वाभिमान के संपादक सुभाष दुबे को जब फोन आया और उन्होंने याद दिलाया तो निश्चित तौर पर इसे भोलेनाथ की कृपा कहने के सिवाय दूसरा शब्द नहीं है.

भोलेनाथ में अपार विश्वास

ज्ञानशांति उपवन बुजुर्गों को अपने परिवार का एहसास कराने वाले ओल्ड एज होम है. यहां की संचालिका शांतिदेवी कोठारी के साथ ही कर्मचारी अरूणा पडोले, दिनेश जैन के साथ ही बुजुर्गों के लिए भोजन बनाने वाली महिलाओं की आत्मीयता निश्चित तौर पर सराहनीय है. यह पूरे सेवाभाव से यहां अपनों द्वारा ठुकराने से आने वाले व्यथित माता-पिता के लिए पुत्र-पुत्री समान काम करते हैं. यह भोलेनाथ की ही कृपा है कि प्रवीण बुंदेले तथा मित्रों द्वारा गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर में हुई शिव महापुराण कथा ने मंदिर के साथ नया कीर्तिमान जोड़ लिया. पहली बार हजारों की संख्या में भक्तों ने मंदिर में हुई कथा का लाभ लिया. इसी दौरान पूज्य शिव गुरू शर्मा महाराज ने ज्ञान शांति उपवन पहुंचकर बुजुर्गों की निराशा को जहां खत्म करने का प्रयास किया था, वहीं वचन दिया था कि अगली अमरावती की कथा के दौरान वे यहां एक घंटे का सत्संग रखेंगे. अपने वादे को पूरा करने पर दृढ़ रहने वाले पूज्यश्री की इस पहल की सर्वत्र सराहना की जा रही है. यहां रहने वाले बुजुर्ग तो इसे अपना जहां भाग्य मान रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इसकी संचालिका शांतिदेवी कोठारी तथा कोठारी परिवार ने इसे अपना भी भाग्य बताया. उनके मुताबिक यह भाग्य की बात है कि तमाम व्यस्तता के बाद भी पूज्य शिव गुरू महाराज यहां सत्संग के माध्यम से बुजुर्गों के जीवन में खुशियां भरने का प्रयास कर रहे है.पूज्य शिव गुरूजी महाराज की शिव महापुराण कथा ने नया इतिहास दर्ज किया. गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर की कथा के प्रवक्ता पूज्य शिव गुरूजी महाराज की कथा अमरावती में इतने शीघ्र होना भी भोलेनाथ की कृपा माना जा रहा है. लोगों के मुताबिक उन्हों ने जो वचन दिया था, उसे निभाने के लिए यह भोलेनाथ का उन्हें मिला प्रसाद है. सत्संग की तैयारियां ज्ञान शांति के संचालिका के साथ ही सभी कर्मचारियों द्वारा की जा रही हैं. धन्य हैं गुरूदेव, जिनके मन में माता-पिता तथा सामाजिक भावना इस तरह से है.

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

वटकेश्वर महादेव मंदिर में 26 को भव्य महाप्रसाद

अमरावती - स्थानीय अंबापेठ स्थित वटकेश्वर महादेव मंदिर के भक्तों द्वारा 26 जनवरी को भव्य महाप्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. सालभर के भीतर क्षेत्रवासियों ने मंदिर की सेवा के साथ ही जिस तरह से शानदार साफ-सफाई, पूजा-अर्चना के साथ ही महाप्रसाद का आयोजन किया जाता है,वह किसी चमत्कार से कम नहीं है. मंदिर के भक्तों ने 26 जनवरी को आयोजित भव्य महाप्रसाद का लाभ अधिकाधिक संख्या में भक्तों से लेने का आग्रह किया है. सहदेव यादव के साथ ही तारासाहब बगीचा निवासी क्षेत्रवासियों के सहयोग से मंदिर का निर्माण करने का विचार पंडित प्रदीप मिश्रा की अमरावती में हुई शिव महापुराण कथा के दौरान आयी थी. मंदिर जागृत मंदिर के रूप में सुख्यात है. क्षेत्रवासी बच्चों सहित मंदिर में आकर दर्शन का पुण्यलाभ लेते हैं.

पुष्करिणी में डुबकी लगाकर जीवन को करते हैं लाखों धन्य

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-3, समर्पित भक्तिभाव देता है अपार खुशी और समृद्धि

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. प्रथम किश्त यहां दे रहे हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है. जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण www.vidarbhswabhiman.com शेष अगले अंक में

पिछले अंक से आगे-पुलिंद विदर्भ महाराष्ट्र बर्बरा,भीरांध्र पांड्य, मगध, कंभोज,कोंकण काश्मीर आदि क्षेत्रों से भक्त वें कटाचल पहुँचकर पुष्करिणी में डुबकी लगाकर भूवराह देव के दर्शन करके श्री वेंकटेश्वर के दर्शन करके अपनी मनौतियां एवं संपदाओं को समर्पित करके अत्यत संतोष के साथ लौटते हैं. वे वेंकटगिरि में रहते समय गाते-खेलते आनंद का अनुभव करते थे.इसके अतिरिक्त पंकजों ,विविध फूलों , फलों की गंध से मृगादि की मद-गंध से कूपर -साम्राणी के सौरभ से केवड़ो की गंध से जवादी तेल की गंध से वेंकटगिरि नगर सर्वथा गंध-विकीर्ण करता था.वह नगर दिव्य पताकों से सुशोभित कुंभादि मध्य में विमान के मध्य में उत्तम पुरूष महात्मा बनकर संपदाओं से भरे धरती पर सबसे महोन्नत बनकर सदा लक्ष्मी समेत श्री वेंकटेश्वर विराजमान रहा.उस महात्मा के चरित्र को लेकर अनेक मुनियों के व्दारा संस्कृत में रचित ग्रंथों का अनुसरण करते हुए नरसिंह की आज्ञा से में तेलुगु में अत्यंत भक्ति से पद्य काव्य रचूँगी.

हेमाक्षांतक को संग्राम-भयंकर अखिल कारण को श्री भूमि वराह स्वामी को अमित फल देनेवाले करुणानिधि को अक्षीण शौर्य धैर्य हिरण्याक्षादि राक्षसों का संहार करने वाले अतिकोप उग्र रूपी कमल नयन को अतिघोर सटाजटाधारी जलाधर को राक्षसों का निवारण करनेवाले हरि को क्षीरांबुनिध लक्ष्मी के हरदय को जीतनेवाले दुरंधर को हार हर हीर दर शर सारद नारद विभा विभव गात्रवाले को प्रेम से प्रह्लाद का उध्दार करनेवाले शांतमूर्ति को भक्तों के क्लेश - कलुष को दूर करनेवाले श्री हरि को श्री तरिगोंड नरसिंह को वेंकटगिरि नायक को पंकजभव जनक को परमात्मा को शंकर-वर मित्र को कलंकरहित को मोक्ष प्रदान करनेवाले लक्ष्मीपति को समर्पित श्री वेंकटाचल माहत्म्यम काव्य का कथा-क्रम इस प्रकार है.

जंबीर,मंदार सहकार मालूर साल रसाल वट बिल्व बदरिक अश्वत्थ ,चंदन ,कुंद, तक्कोल, नारियल , खजूर ,नारंगी , बंधूक, पारिजात,अशोक कदंब, कांचन , करवीर पुन्नाग,मधूक आदि बहु वृक्षों से भरा विविध लताएँ फूलों और फलों से लबालब लदकर सर्वकालों में वंसत ऋतु की तरह ही नैमिशारण्य में सदा सुशोभित थी. झरने कमलों से भरे सरोवर,सारे सरोवर जल से भरे हुए थे,सभी कालों में एक जैसा लग रहे थे सुधि जनों की सेवा के लिए.ऐसे नैमिशारण्य में शौमकादि मुनिगण ने सूत मुनि से सारे पुराणों का प्रवचन सुन कर एक शुभ दिन सूत को देखकर भूलोक में एक आठ तिरुपति हैं उनमें श्रीरंगम,श्रीमुष्णम ,तोताद्री,सालग्राम,नेमिषम बद्रिकाश्रम , कांचीपुरम , वेंकटाचलम ये आठ स्वयंव्यक्त तीर्थ हैं.इनमें सबसे सकल इष्ट-प्रदायी तीर्थ कौन-सा है बताइए, इस तरह का प्रश्न किया और भी उन्होंने इस रूप में प्रश्न किया.अत्यंत मुग्ध -बृहद अर्चारूपधारी नारायण के भूतल में भक्तों उध्दार करनेवाले प्रचलित तीर्थ की कथा को हमें आप सुनाइए हे सूतजी.

सूतजी का समाधान

शौनकादि मुनियों के प्रश्न को सुनकर सूतजी हँस कर बहुत अच्छा.आपने लोकहितकारी सवाल किए. कथा सुनाने से और सुनने लक्ष्मी का वरदान हम सबको प्राप्त होगा. इसलिए मैं बहुत आनंद से वह कथा सुनाऊँगा. हे मुनिगण,शांत मन से अत्यंत संतोष के साथ कथा सुनिए.वेद व्यास की कृपा से जो कुछ मेरे पास है मैं सुनाऊँगा उस परमात्मा की कथा को हे मुनिगण. सुनिए स्वयं व्यक्त तीर्थों में वें कटाचल बहु फलदायक और पवित्र तीर्थ है. श्वेत वराह कल्प में वर्णित इस पुण्यतीर्थ के वृत्तांत को मन लगाकर सुनिए.

सेवा समर्पित व्यक्तित्व हैं हेमंतकुमार मालवीय

२८ को जन्मदिन पर विशेष, सामाजिक,धार्मिक कार्य में रहते हैं सदैव अग्रणी,हजारों मित्र बनाया

शहर ही नहीं तो सामाजिक, धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले और हरदिल अजीज व्यक्तित्व तथा अमरावती में अंतर्राष्ट्रीय शिव महापुराण कथाकार पं.प्रदीप मिश्रा की कथा की कल्पना करने वाले और प्रयास शुरू करने वाले हेमंत मालवीय धार्मिकता से ओतप्रोत तथा समाजसेवी व्यक्ति हैं. उनका 28 जनवरी को जन्मदिन है. सर्वप्रथम उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा हार्दिक शुभकामनाएं. सनातन धर्म के प्रचार के साथ ही इसके लिए सदैव अग्रणी रहने वाले हेमंत मालवीय के मिलनसार स्वभाव के कारण उन्हों ने हजारों लोगों को मित्र बनाया है. हरसंभव मदद के लिए जहां तत्पर रहते हैं. वहीं जहां भी आवाज दिया जाए, पहुंचकर हरसंभव सहयोग देने का भाव रखते हैं. यही कारण है कि आज शहर में जानी-पहचानी हस्ती के रूप में उनका जिक्र किया जाता है.

सेवा कार्यों के साथ दर्जनभर से अधिक धार्मिक,सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी हैं. इतना ही नहीं तो सनातन धर्म की महत्ता और शहर की धार्मिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए कई वाटसअैप ग्रुपों के माध्यम से भी सेवा,धर्म कार्य को आगे बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं.वह न केवल शहर बल्कि समूचे विदर्भ में सुख्यात हैं. किसी की मदद की बात हो, समाज की एकता अथवा तरक्की, संतों के विचारों को प्रोत्साहित करने जैसी हर गतिविधि में उनकी भूमिका सराहनीय होती है.हेमंत मालवीय के उनके उल्लेखनीय कार्यों को ध्यान में रखते हुए अभी तक शहर से लेकर जिलास्तर पर कई पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं.

बचपन से ही संकोची लेकिन सामाजिक सेवा का भाव रखने वाले हेमंत मालवीय विभिन्न सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में अग्रणी रहते हैं. पंडित प्रदीप मिश्रा से पहली बार अमरावती के किसी वंदे ने मुलाकात की होगी और उनकी कथा के लिए प्रयास भी शुरू किया था. इसको लेकर हुई बैठक में जिस तरह से लोगों ने सहभागिता की थी, निश्चित ही वह उनकी अपार लोकप्रियता और विश्वास का परिचायक है. बाद में घटित घटनाओं के बाद वह सहयोगी रहे. लेकिन आज भी इस पहल का श्रेय लोग उन्हें देते हैं. वे कहते हैं कि नाम के पीछे नहीं भागते हैं, भोलेनाथ सभी की भावना को जानते हैं. अमरावती में हुई शिव महापुराण कथा की सराहना करते हुए इस बात पर संतोष जताते हैं कि कम से कम उनकी चाहत के मुताबिक कथा अमरावती में हुई, लाखों भक्तों ने पुण्यलाभ कमाया, उनके लिए यही काफी है. सामाजिक तथा धार्मिक कार्यों में योगदान देने के कारण मालवीय ने लाखों की संख्या में मित्र परिवार तैयार किया है. समाज की एकता के साथ इसकी मजबूती के लिए जहां वे समर्पित रहते हैं, वहीं कई संगठनों के पदाधिकारी तथा मार्गदर्शक के रूप में सेवाएं देते हैं. इसे वे प्रभु की कृपा और माता-पिता का आशिर्वाद मानते हैं. उनका स्पष्ट मत है कि दूसरों का अच्छा करने वाले के साथ कभी बुरा नहीं होता है. इसलिए जितना संभव हो हमें अच्छी सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए. उनके मुताबिक शहरवासियों का अपार प्रेम उन्हें मिलने से सदैव कुछ करते रहने का प्रयास करते हैं.

महाकुंभ की तैयारी

सामाजिक,धार्मिक कामों में अग्रणी रहने के साथ ही वे धर्म और संस्कार को अत्याधिक महत्व देते हैं. उनके मुताबिक अमरावती से भक्तों को महाकुंभ स्नान के लिए ले जाने की योजना बनाई है. यह व्यावसायिक नहीं बल्कि सहकारिता सिद्धांत पर है. न नफा, न घाटा के सिद्धांत पर 10 से 15 फरवरी तक अमरावतीवासियों को महाकुंभ में लेकर जा रहे हैं. इसे लोगों द्वारा सराहा जा रहा है. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने वाले हेमंतकुमार मालवीय को जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, भोलेनाथ की सेवा करते रहें, यही कामना. जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती.

श्री शिवाय नमस्तुभ्यम

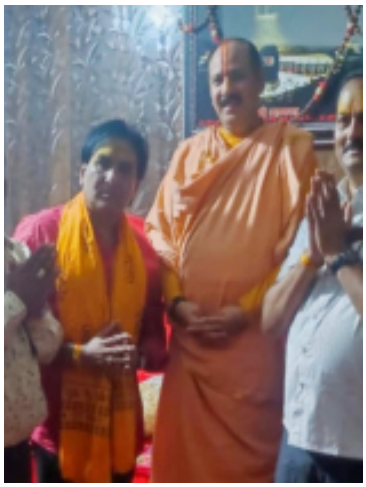

ज़न्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

हेमंतकुमार मालवीय

सनातन धर्म के योद्धा, सामाजिक, धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले, संत-महात्माओं की सेवा में योगदान देने वाले, सभी के चहेते

हेमंतकुमार मालवीय

को जन्मदिन 28 जनवरी पर हम सभी की हार्दिक शुभकामनाएँ.भोलेनाथ की कृपा बनी रहे, यही कामना, जन्मदिन पर हार्दिक

शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

पृथ्वी सिंह लिलकी, महेश राठी,कैलाश गुप्ता, अमित मंत्री,विक्की शर्मा, दिनेश साबू, संतोष साहू,भानु ठाकुर,विकास डोंमली भाईजी), कमल चवारे, सूरज धारू, संदीप चावरे समस्त हिंदू संगठन सामाजिक संगठन मित्र मंडल महाराष्ट्र एवं जिला समिति, हेमंतकुमार मालवीय मित्र परिवार,अमरावती

बालाजी मंदिर में 24 से श्रीमद् भागवत कथा

23 जनवरी को निकलेगी भव्य कलशयात्रा, वृंदावन के अनिल शास्त्री महाराज भक्तों को कराएंगे कथा का रसपान

विदर्भ स्वाभिमान, 22 जनवरी

अमरावती - शहर के इतवारा बाजार क्षेत्र में स्थित और लाखों भक्तों के आस्थास्थल के रूप में सुख्यात बालाजी मंदिर में 24 से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है. इससे पूर्व गुरूवार 23 जनवरी को महिलाओं की भव्य कलश यात्रा रखी गई है. इसमें महिलाओं से सहभागी होने के साथ कथा का लाभ लेने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह मंदिर संस्थान के अध्यक्ष और मनपा शहर बस सेवा के संचालक, समाजसेवी महेश साहू ने किया है. कथा को सफल बनाने के लिए समाज के साथ ही बालाजी के भक्त भी जी-जान से प्रयास कर रहे हैं. उल्लेखनीय है कि 120 साल पुराने इतवारा बाजार के बालाजी मंदिर का पूरी तरह से नवीनीकरण महेश साहू के नेतृत्व में मंदिर के सभी ट्रस्टी और भक्तों द्वारा किया गया है. क्षेत्र में जागृत मंदिर के रूप में जहां यह सुख्यात है, वहीं कईयों को इसका अनुभव भी आया है.

श्री बाथ्री तेली साहू समाज समिति द्वारा संचालित तथा पूरी तरह से नवनिर्मित श्री बालाजी मंदिर इतवारा बाजार में 24 से 30 जनवरी तक श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ महोत्सव का आयोजन किया गया है. इस कड़ी में बुधवार 22 जनवरी को मूर्तियों का अभिषेक शाम में गोधूली बेला में किया जाएगा. गुरूवार 23 से बजरंग टेकड़ी से सुबह 10 बजे कलशयात्रा एवं मंडप प्रवेश कार्यक्रम होगा. इसका भक्तों से लाभ लेने का आग्रह आयोजन समिति द्वारा किया गया है.

इतवारा बाजार में नवनिर्मित श्री बालाजी मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह में मथुरा निवासी अनिल शास्त्री भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगे. श्री बालाजी मंदिर संस्थान

पदाधिकारियों के मुताबिक मंदिर जीर्णोद्धार के प्रथम वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. इसकी तैयारियां संस्थान के पदाधिकारियों के साथ ही समस्त क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही है. कार्यक्रम की कड़ी में 23 को बजरंग टेकड़ी से बालाजी मंदिर सुबह 10 बजे से मंगल कलशयात्रा का आयोजन किया गया है. इसमें क्षेत्र की महिलाओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित रहने और लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

कथा को लेकर अपार उत्साह

इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर अपार उत्साह है. कार्यक्रम में 24 जनवरी को श्रीमद् भागवत कथा शुरू होगी. कथा प्रवक्ता अनिल शास्त्री पहले दिन श्रीमद् भागवत कथा महिमा और श्री शुकदेवजी का आगमन, 25 को श्री विदुर उद्धव संवाद, कपिल अवतरा, शिव विवाह, 26 को श्री ध्रुव चरित्र, भरत उपाख्या व नृसिंह अवतार, 27 को श्री वामन चित्रत्र श्री सूर्यवंशीय चरित्र कृष्ण प्रकटोत्सव, 28 को श्री बालकृष्णजी की बाल लीला, गोवर्धन पूजा तथा छप्पन भोग, 29 को श्री वृंदावन की लीलाएं, रूक्मिणी विवाह तथा 30 जनवरी को श्री सुदामा चरित्र व योगगेश्वर संवाद, श्री व्यास पूजन, श्री शुकदेव विदाई तथा श्रीमद् भागवत पूजन कार्यक्रम होगा. कथा के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है. इसमें सप्ताह समिति में राजेश साहू, संतोष साहू, राजेश साहू, सोनल गुप्ता, सहसिचव पंकज गुप्ता, मनीष गुप्ता, पंकज साहू, अमित साहू, सुरेश गुप्ता, प्रचार समिति में भागीरथ अहरवार, अतुल पटेरिया, प्रवीण गुप्ता, सुनील साहू, मोहन विश्वकर्मा, सफाई व्यवस्था प्रतीक जोशी, संदीप गुप्ता सहित अन्य समितियों के पदाधिकारी प्रयासरत हैं. कार्यक्रम का लाभ लेने का आग्रह संस्थान के अध्यक्ष महेश साहू कुंडिलावाले तथा सभी ट्रस्टियों ने किया है. क्षेत्रवासी भी कार्यक्रम को अपार सफलता दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं. इससे कार्यक्रम अभूतपूर्व होगा.

तलेगांव मोहना में मंगलामाता जन्मोत्सव,27 से श्रीमद् भागवत कथा

गांववासियों ने सफल बनाने के लिए प्रयास किया तेज,हजारों भक्त होते हैं सहभागी

विदर्भ स्वाभिमान, 22 जनवरी

अमरावती- जिले की चांदूर बाजार तहसील में श्रीसंत मंगलामाता देवस्थान श्रीक्षेत्र पिंपरी तलेगांव मोहना द्वारा श्री संत मंगलामाता जन्मोत्सव 5 फरवरी को मनाया जाएगा. इस धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में अपार उत्साह है. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी द्वारा योगदान दिया जा रहा है.इसका शुभारंभ सांसद डॉ. अनिल बोंडे, विधायक प्रवीण तायडे की उपस्थिती में होगा.

इस उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा 27 जनवरी से 5 फरवरी तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा, नवचंडी महायज्ञ व विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन संस्थान तलेगांव मोहना पिंपरी में किया गया है. इसमें रविन्द्र महाराज केन्द्रे भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगे. कथा दो सत्रों में सुबह 10 से 12 बजे तथा दोपहर 2.30 से 5.30 बजे तक रखा गया है. इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. भक्तों से कार्यक्रम में सहभागी होने तथा लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

श्री संत मंगलामाता के जन्मोत्सव पर 27 जनवरी को तीर्थस्थापना व गौरक्षण की गौमाता का पूजन सांसद डॉ. अनिल बोंडे द्वारा किया जाएगा. मौके पर विधायक प्रवीण तायडे तथा अन्य मान्यवर उपस्थित रहेंगे. श्रीमद् भागवत कथा के अलावा काकड़ा आरती, हरिपाठ, गौरक्षण की गौमाता का पूजन जैसे कार्यक्रम होगा. सोमवार 3 फरवरी को सुबह 10 बजे नवचंडी महायज्ञ आरंभ होगी. शाम 5.30 बजे संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का समापन होगा. रात्रि 10 बजे आनंददत्त महापूजा का आयोजन किया जाएगा. बुधवार 4 फरवरी को सुबह 9 बजे यज्ञ की पूर्णाहुति, सुबह 10.30 बजे गोपाल काला कीर्तन, 11.30 बजे श्री संत मंगलामाता का जन्मोत्सव समारोह तथात अनुसयामाता पालखी मंदिर क्षेत्र में शोभायात्रा तथा 12 बजे से महाप्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. भक्तों से विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का लाभ लेने का आग्रह क़ार्यक्रम आयोजन समिति द्वरा किया गया है.

अमरावती- शहर के सुख्यात वल्लभ नगर स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में शानदार श्रृंगार के बाद यहां हुई आरती कार्यक्रम में सहभागी श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष दिलीप मकवाने के साथ महेन्द्र बोपुलकर, प्रदीप कळस्कर के साथ ही अन्य भक्त. भोलेनाथ की आकर्षक सजावट भक्तों का मन मोह लेती है.

नर्मदेश्वर महादेव मंदिर की शिव महापुराण कथा रचेगी इतिहास

क्षेत्र में पहला आयोजन, लोगों में अपार उत्सुकता, बैठक में किया गया नियोजन

विदर्भ स्वाभिमान, 22 जनवरी

अमरावती- महज एक साल के भीतर ही बेहतरीन निर्माण के साथ ही धार्मिक आयोजन से परिपूर्ण रहने वाले वल्लभ नगर क्षेत्र के नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में अगले महीने आयोजित श्री शिव महापुराण कथा अभूतपूर्व रहने का विश्वास बैठक में जताया गया. बैठक में क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे. सभी ने कथा को अपार सफलता दिलाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करने का फैसला किया. इसको लेकर क्षेत्र की महिलाओं का उत्साह देखने लायक है. महिलाओं ने आसपास के नगरों में पहुंचकर सभी को कथा श्रवण करने का जहां निमंत्रण दिया, वहीं पावती फाड़ने के साथ ही तैयारियों में सक्रिय योगदान दे रही हैं.

शहर के अकोली रोड क्षेत्र के वल्लभ नगर में स्थिति और अल्प समय में ही क्षेत्र के भोलेनाथ भक्तों की पसंद बने श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में सोमवार को सुबह की आरती में बम-बम भोले की घोषणाओं से पूरा क्षेत्र गूंज उठा. यहां हुई आरती में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया. इस मौके पर फरवरी महीने में आयोजित शिव महापुराण कथा को सफल बनाने का संकल्प सभी भक्तों ने लिया.इसके लिए क्षेत्रवासी हर तरह कासहयोग देने के लिए प्रयासरत हैं.

इस बारे में मंदिर के अध्यक्ष दिलीप मकवाने की अध्यक्षता में हुई बैठक में 20 से 27 फरवरी तक आयोजित शिव महापुराण कथा की तैयारियों और नियोजन को लेकर चर्चा हुई. इसमें कथा के दौरान आयोजित किए जाने वाले उपक्रमों की भी चर्चा की गई. क्षेत्र में पहली बार हो रही शिव महापुराण कथा को लेकर भक्तों में जोरदार उत्साह है. इसके लिए क्षेत्र के पुरूषों के साथ ही महिलाएं भी प्रयास कर रही हैं. इससे कथा शानदार रहने और इसे अपार सफलता का विश्वास ढ़ोलेताई, पाटमासे, मकवाने सहित हेमा कलसकर सहित क्षेत्र की महिलाओं ने जताया है.साथ लाभ लेने को भी कहा है. मंदिर अध्यक्ष दिलीप मकवाने, प्रदीप कलसकर, महेन्द्र बोपुलकर, नंदकिशोर पेठे के साथ ही क्षेत्रवासियों द्वारा कथा को सफल बनाने प्रयास जारी है.

समूचे विदर्भ के भक्तों को करवाया बालाजी दर्शन

बैकुंठवासी रतनलाल दायमा परिवार का हर सदस्य है भावभक्ति में रंगा हुआ. व्यंकटेशधाम बना है तीर्थस्थल

अमरावती- भगवान गोविंदा के दर्शन का सौभाग्य समूचे विदर्भ को उपलब्ध कराने वाले भक्तों में उनके अनन्य भक्त रतनलालजी दायमा तथा उनके परिवार के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है. पिता के आदर्श कदमों पर चलते हुए गोविंद एवं रमण दायमा के साथ ही परिवार का हर सदस्य गोविंदा के रंग में रंगा नजर आता है. व्यंकटेशधाम आज तीर्थस्थल के रूप में समूचे राज्य में प्रसिद्ध हो रहा है. इसका पूरा श्रेय बाबूजी को ही जाता है. यह प्रभु की अपार कृपा ही है इस परिवार पर जिन्होंने पूरा जीवन ही समर्पित कर दिया है. शहर का व्यंकटेश धाम जहां मन्नत पूरी करने वाले देवस्थान के रूप में राज्यभर में चर्चित है. वहीं दूसरी आज लाखों भक्त इस मंदिर से वर्षों से जुड़े हैं. इनमें से कईयों की मनोकामनाएं पूरी हुई. इससे उनकी श्रद्धा लगातार बढ़ती गई. इसके लिए भाविक भक्त मंदिर के संस्थापक और प्रभु व्यंकटेश्वर बालाजी के अनन्य भक्त वैकुंठवासी श्री रतनलालजी दायमा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते नहीं थकते हैं. मंदिर की अपार लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि न केवल शहर बल्कि समूचे विदर्भ और देशभर के भाविक यहां आकर भक्तिभाव से पूजा-अर्चना करते हैं. मंदिर के बेहतरीन प्रबंधन में ट्रस्ट के पदाधिकारी जहां जी-जान से जुड़े रहते हैं,वहीं दूसरी ओर मंदिर में सालभर अनगिनत धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला चलता रहता है. प्रभु बालाजी के अनन्य भक्त वैकुंठवासी श्री रतनलालजी दायमा कितने समर्पित भक्त थे, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अपने दोनों सुपुत्रों का नाम भी उन्होंने गोविंद एवं रमण के रूप में रखा. पिता के आदर्श

आचार-विचार और संस्कारों पर चलते हुए पुत्रों द्वारा भी व्यंकटेशधाम के बेहतरीन प्रबंधन के साथ ही मंदिर की गरिमा को सदैव न केवल बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, बल्कि इस माध्यम से समूचे राज्य में लोकप्रिय बनाया जा रहा है. तड़के सुबह से लेकर शयन आरती तक समय का पालन करते हुए पूजा-अर्चना, अभिषेक, आरती का कार्यक्रम निरंतर जारी है. इस साल बैकुंठ एकादशी पर जिस तरह से लाख से अधिक भक्तों ने यहां स्वर्ग द्वार पार किया और अपार आनंद की अनुभूति की, वह अपने आप में निश्चित ही सौभाग्य का विषय है. मंदिर तीर्थस्थल बन गया है औरभक्त दर्शन मात्र से अपना जीवन धन्य कर रहे हैं.

बाबूजी को अपार विश्वास प्रभु गोंविंदा में था. यही कारण है कि उनके ही प्रयासों से आज विदर्भ में लाखों भक्तों को भगवान बालाजी का दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है. विदर्भ स्वाभिमान द्वारा पता लगाने पर मंदिर से जुड़े हजारों ऐसे भक्त हैं, जिनकी मनोकामनाएं यहां पूरी हुई हैं. प्रभु व्यंकटेश बालाजी का संदेश समझने का भाग्य वैकुंठवासी श्री रतनलालजी दायमा को मिला था. करोड़ों भक्तों के आस्थास्थल व्यंकटेश बालाजी के तिरूपति क्षेत्र में ही साक्षात्कार के बाद अमरावती ही नहीं बल्कि विदर्भ के लाखों गोंविंदा भक्तों को प्रभु के दर्शन का सौभाग्य दिलाने का महान कार्य वैकुंठवासी श्री रतनलालजी दायमाजी ने किया. इसके लिए आने वाली पीढ़ियां निश्चित ही ऋणी रहेंगी. सादगी, भक्तिभाव तथा प्रभु गोविंदा की सेवा और धार्मिक वृत्ति को लोग याद करते हैं. मंदिर में सालभर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला चलता रहता है.दोनों बेटों के साथ ही ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी अभिनंदन के पात्र हैं. वैकुंठवासी श्री रतनलालजी दायमा की पांचवीं पुण्यतिथि 17 जनवरी पर विनम्र आदरांजलि.प्रभु व्यंकटेश उन्हें अपने चरणों में स्थान प्रदान करें, उनके चरणों में यही कामना.

ग्राम पंचायत कार्यालय,काटकुंभ

पं.स.चिखलदरा,जि. अमरावती

निविदा सूचना

मा. सरपंच/सचिव ग्राम पंचायत कार्यालय, क़ाटकुंभ येथील मंजूर कामाकरीता शासकीय मान्यताप्राप्त नों दणीकृत फी.9 प्रमाणे कंत्राटदारांकडून सील बंद निविदा मागविण्यात येत आहे. इच्छुक निविदा धारकांनी आपली निविदा मुदतीत सादर करण्यात यावी.

अनु क्रमांक	क़ामाचे नाव	वर्ष	निधि	अंदाजित किमत	कोऱ्या निविदा देणे व स्वीकारणे	निविदा स्वीकारण्याची अंतिम दिनांक	अनामत	निविदा फी
1.	अंगणवाड़ी येथे पेविंग ब्लॉक बसविणे	2020-21	15वां वित्त आयोग	84566/	23-01-2025	29-01-2025	1 टक्के	500/-
2.	जि.प.शाळेला रंगरंगोटी करणे	2020-21	15वां वित्त आयोग	44050/	23-01-2025	29-01-2025	1 टक्के	500/-
3.	अंगणवाड़ी येथे तार फिनिशिंग करणे	2020-21	15वां वित्त आयोग	100000/	23-01-2025	29-01-2025	1 टक्के	500/-
4.	पाणी टांकी व दुरूस्ती व रंगरंगोटी करणे	2020-21	15वां वित्त आयोग	100000/	23-01-2025	29-01-2025	1 टक्के	500/-
5.	पाणी पुरवठा मूलभूत सुविधा करणे	2022-23	15वां वित्त आयोग	186110/	23-01-2025	29-01-2025	1 टक्के	500/-
6.	पाइप लाइन,विहीर व खोलीकरण करणे	2022-23	15वां वित्त आयोग	100000/	23-01-2025	29-01-2025	1 टक्के	500/-
7.	क़ाटकुंभ येथे विहीर खोलीकरण करणे	2023-24	15वां वित्त आयोग	350000/	23-01-2025	29-01-2025	1 टक्के	500/-
8.	रंगभवनच्या बाजूने शौचालय बांधकाम करणे	2023-24	15वां वित्त आयोग	100000/	23-01-2025	29-01-2025	1 टक्के	500/-
9.	रजनीकुंड येथे सार्वजनिक शौचालय बांधकाम करणे	2023-24	15वां वित्त आयोग	70147+33308/	23-01-2025	29-01-2025	1 टक्के	500/-
10.	जि.प.शाळा शौचालय बांधकाम करणे	2023-24	15वां वित्त आयोग	266692/	23-01-2025	29-01-2025	1 टक्के	500/-

अटी व शर्ती

1) निविदेच्या अटी व शर्ती ग्राम पंचायत कार्यालय, काटकुंभ, ता.चिखलदरा जि.अमरावती यांच्या कार्यालयात कार्यालयीन वेळेत पहावयास मिळतील.
2) निविदा या दोन लिफाफे पद्धतीने सादर करावयाचा आहे.
3) निविदा स्वीकारण्याचे तसेच काही कारणास्तव निविदा रद्द करण्याचे अधिकार सरपंच/सचिव ग्राम पंचायत कार्यालय यांनी राखून ठेवले आहे.
4) निविदा उघडण्याचे दिनांक 30-01-2025 ला दुपारी 12 वाजता राहील.

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत काटकुंभ
ता. चिखलदरा,जि.अमरावती.

श्री सरयूपारिण ब्राह्मण सभा का खिचड़ी कार्यक्रम 2 फरवरी को

अध्यक्ष डॉ. तिवारी के निवास पर हुई बैठक में की गई मंत्रणा

विदर्भ स्वाभिमान, 22 जनवरी

अमरावती- समाज की एकता के साथ ही इसे बढ़ाने के लिए प्रयासरत श्री सरयूपारीण ब्रह्मण सभा, अमरावती की कार्यकारिणी बैठक शनिवार को सभा के अध्यक्ष डॉ. सतीशजी तिवारी के निवासस्थान पर आयोजित की गयी. डॉ. सतीश तिवारी की अध्यक्षता में सभा के स्थेश तिवारी, सचिव डॉ. मनीष दुबे, राजेश्वरदत्त तिवारी, राजेंद्र पाण्डेय, शैलेंद्र मिश्रा, श्रीमती कृष्णा शुक्ला, अवधेश मिश्रा, राकेश मिश्रा, मनोज त्रिपाठी, प्रदीप पाण्डेय, राजेश शुक्ला, प्रमोद मिश्रा तथा श्री मुकेश चौबे प्रमुखता से उपस्थित थे. इनकी उपस्थिति में आयोजित बैठक श्री सरयूपारीण ब्रह्मण महिला मंडल तथा श्री सरयूपारीण ब्रह्मण युवा परिषद की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन किया गया है.

श्री सरयूपारीण ब्रह्मण सभा, अमरावती की ओर से भगवान सूर्य के उपासना पर्व मकर संक्रांति के पावन अवसर पर परंपरा अनुरूप आगामी 2फ़रवरी को ओसवाल भवन, राजापेठ यहां महिलाओं का हल्दी कुमकुम कार्यक्रम, नवनियुक्त महिला मंडल तथा युवा परिषद के पदाधिकारियों का पदग्रहण, समाज के सामाजिक, क्रीड़ा, कला, साहित्य तथा सांस्कृतिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले गणमान्य व्यक्तियों का सत्कार समारोह एवं खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया है. सभा की ओर से सभी समाज बंधुओं को प्रस्तुत समारोह में सहपरिवार उपस्थिति हेतु नम्र निवेदन किया जाता है.डॉ. तिवारी के नेतृत्व में सभा द्वारा बेहतरीन काम करने का प्रयास किया जा रहा है. इस कार्यक्रम में सभी समाजबंधुओं से सहभागी होकर एकता का परिचय देने का आग्रह सभा के पदाधिकारियों ने किया है. बैठक में अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई.

पुणे में एड.यशोमति ठाकुर का सम्मान

सावित्रीची लेक पुरस्कार देकर नवाजा गया

विदर्भ स्वाभिमान,22 जनवरी

अमरावती- तिवसा की पूर्व विधायक और कांग्रेस की लोकप्रिय नेत्री, पूर्व महिला व बाल कल्याण मंत्री एड. यशोमती ठाकुर का पुणे में गत दिनों सत्कार किया गया. उन्हें महिलाओं के हित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के चलते प्रतिष्ठित सावित्रीच्या लेकी पुरस्कार प्रदान कर पुणे में सम्मानित किया गया. सम्मान समारोह महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी पुणे के ऐतिहासिक फुलेवाडा में आयोजित किया गया. वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. बाबा आढाव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में उन्हें शॉल और स्मृति चिह्न देकर अभिनेत्री अश्विनी गिरि के साथ मुंबई की प्रो. भावना पटोले,डॉ. अनिता पाटील सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे.

यह समारोह भारतीय विद्यार्थी परिषद के साथ-साथ परातत्व निदेशालय की ओर से ऐतिहासिक महात्मा फुलेवाडा में आयोजित किया गया था. महाराष्ट्र में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए समाज के लिए मार्गदर्शक बनीं सावित्री के शिष्यों को सम्मानित किया गया, राजनीतिक क्षेत्र से एड.यशोमति ठाकुर को सम्मानित किया गया.सम्मान प्राप्ती के बाद महिलाओं के हितों के लिए जिम्मेदारी बढ़ने की बात एड. यशोमति ठाकुर ने कही. आज हमें नहीं लगता कि देश और प्रदेश में सब कुछ ठीक चल रहा है. भले ही कार्यक्रम छोटा हो, हमें हकीकत को जीना होगा. देश के इतिहास को बदलने की साजिश हो रही है, यह युवाओं को पता होनी चाहिए. संविधान बचाने की लड़ाई शुरू करने और इसमें सभी से सहयोग करने का आग्रह किया.महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने तथा समाज के लिए सदैव प्रयास करने की बात कही.

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,जवाहर रोड के भीतर,अमरावती

ज़वाहर रोड के भीतर,अमरावती.

गुरूवार 23 से 29 जनवरी 2025

मेष

मेष राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन है. मेहनत का फल अवश्य मिलेगा. इस मामले में कोशिश करनी जरूरी है. आम तौर पर बहुत चतर स्वभाव के होते हैं. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं. किसी बात को तब तक नहीं स्वीकार करते हैं, जब तक इनका खुद का नुकसान नहीं हो रहा हो. नया साल भाग्यदायी साबित हो सकता है.

वृषभ

यह सप्ताह भागदौड़ से भरा रहेगा. आपका मन अशांत रहेगा. स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है. परिवार में किसी अपने का दुखद समाचार प्राप्त होगा. पत्नी से मतभेद हो सकते हैं.

मिथुन

थोड़ी सी मेहनत भी आपको कामयाबी दिला सकती है. रिश्तों में विवाद टाले. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. वाहन चलाते समय सावधानी बरतना जरूरी है.

कर्क

दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ

सप्ताह बेहतरीन रहने वाला है. मेहनत और समझदारी जरूरी है. स्वास्थ्य के मामले में ध्यान देना जरूरी है. इस सप्ताह प्रभु की कृपा से बड़ा काम हो सकता है. किसी से नाहक विवाद करने से बचें. अपने काम पर ध्यान देकर

सादगी,कर्मठता की मिसाल लोकप्रिय सांसद बलवंत वानखड़े

अमरावती- ज़ीवन में कुछ लोग बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखते हैं. अमरावती जिले के लोकप्रिय सांसद के साथ ही जमीन से जुड़े कार्यकर्ता से लेकर जिला परिषद सदस्य से लेकर लोकतंत्र के सर्वोच्च सदन संसद के सदस्य के रूप में जिस तरह से सांसद बलवंत बसवंत वानखडे का कामचल रहा है, वह निश्चित ही लोगों को प्रभावित कर रहा है. सादगी इतनी कि किसी के मन को बिना किसी तरह का दर्द पहुंचाए लोगों की समस्याओं को हल करने का प्रयास करते हैं. अधिकारियों की बैठक में भी उनकी शालीनता जहां सभी को प्रभावित करती है, वहीं लोगों की समस्या लोगों के सहयोग से सुलझाने की उनकी सादगी निश्चित ही सराहनीय है. दिल के साफ तथा सभी को साथ लेकर चलने में वे जहां विश्वास रखते हैं, वहीं विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए कहा कि लोगों ने सदैव उन्हें अपार प्रेम दिया है. यही कारण है कि जिले के वे पहले नेता हैं, जिन्हें जिला परिषद से विधानसभा और विधानसभा से लोगों ने सीधे संसद में भेजा है. वहां भी जिले के विकास के लिए उनका लगातार प्रयास है. वे कहते हैं कि दिखावा की उनमें कभी आदत नहीं रही है. वे जो करते हैं जनता के हित के लिए दिल से करते हैं. यही कारण है कि लोगों का अपार प्रेम उन्हें मिलता है. उनकी सादगी विभिन्न कार्यक्रमों में भी स्पष्ट दिखाई देती है. सांसद जैसे बड़े पद पर रहने के बाद भी उनकी सादगी, समझदारी और सभी को सम्मान देने वाली अदा निश्चित तौर पर सभी को आकर्षित करती है. वे कहते हैं कि लोगों का प्रेम ही उन्हें यहां तक पहुंचाया है.जिले के सर्वांगीण विकास का भरोसा दिलाते हुए लोगों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहने की बात कही है. उन्हें हमारी हार्दिक शुभकामनाएं.

११ वर्षों से सैकड़ों जरूरतमंदों को तीर्थयात्रा कराने वाले गुल्हाने दम्पति

प्रभात कॉलोनी गजानन मंदिर क्षेत्र में रविन्द्र-सरोज गुल्हाने के साथ पुत्र का सत्कार

विदर्भ स्वाभिमान,22 जनवरी अमरावती- शहर में धन सम्पत्ति वालों की कमी नहीं है. लेकिन कुछ ही लोग ऐसे होते हैं जो स्वयं के साथ ही अपनी पूरी पीढ़ी और परिवार का नाम अपने कामों से अमर करने का विचार करते हैं और इस पर सदा अमल करते हैं. प्रभात कॉलोनी निवासी रवीन्द्र गुल्हाने, गजानन महाराज मंदिर ट्रस्ट प्रभात कॉलोनी की ट्रस्टी उनकी पत्नी सौ. सरोज गुल्हाने के साथ ही उनका श्रवण जैसा बेटा भी माता-पिता के नेक काम में न केवल सहभागी होता है बल्कि बेटे ने माता-पिता के आदर्श काम की श्रृंखला में ग्यारह साल से कंधे से कंधा मिलाकर हिम्मत बढ़ाई है. धन का उपयोग तभी सार्थक होता है जब वह किसी के काम में आए. अपने लिए तो जानवर भी जी लेते हैं लेकिन सम्पन्न व्यक्ति की परिभाषा यह होती है कि वह अपनी सम्पन्नता में ऐसे लोगों को भी शामिल करने का प्रयास करे, जो गरीब हैं, कमजोर हैं और जिन्हें प्रभु ने कम किया है. गुल्हाने दम्पति द्वारा पिछले 11 साल से आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद भक्तों को तीर्थों का दर्शन

अपने खर्च से कराया जाता है. इसका अभी तक 250 से अदिक भक्तों ने लाभ लेकर इस दम्पति को दुवाएं दी. हर साल की तरह ही इस साल भी 21 वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ दर्शन कराने के लिए गुल्हाने दम्पति ट्रैवल्स बस में रवाना हुए. इस समय भक्तों के चेहरे का भाव उनकी खुशियां बता रहा था. सौ. सरोज गुल्हाने जहां आदर्श पत्नी के रूप में पति के नेक काम में कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय दिखी, वहीं बेटा भी आदर्श पुत्र के जैसे माता-पिता के कंधे के कंधा लगाकर प्रभु के इस नेक काम में अग्रणी दिखाई दिया. 12 दिनों के इस धार्मिक तीर्थयात्रा के दौरान सभी बुजुर्गों के रहने, खाने, ठहरने का सभी खर्च गुल्हाने दम्पति द्वारा उठाया जाएगा. उनका मौके पर सत्कार किया गया. इस बार की ट्रिप में नर्मदापुरम, खाटू शाम, अंबिका माता, सालासर बालाजी, पुष्कर में ब्रह्माजी के एकमात्र मंदिर, मेड़ता, मनिवेदिड़ा, नाथ द्वारा, कर्णीमाता, पावागढ़, अंबाजी, उज्जैन, अवंती शक्तिपीठ, महेश्वर, ओंकारेश्वर, खंडवा इत्यादि धार्मिक स्थलों का दर्शन करने का सौभाग्य भक्तों को मिलेगा. विदर्भ स्वाभिमान की गुल्हाने परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं. गुरूवार को यह धार्मिक यात्रा रवाना हुई. सभी के चेहरे पर अपार उत्साह के साथ ही सभी गुल्हाने परिवार की सराहना कर रहे थे. स्वयं के लिए जीने वालों की दुनिया में यह विलक्षण अनुभव आया. परिवार की सादगी, विनम्रता, बेटे की सादगी निश्चित तौर पर आज के दौर में निश्चित ही सराहनीय है. सभी ने हैप्पी जर्नी के साथ भक्तों को रवाना किया.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो
फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.
राजपुरोहित फोटो स्टुडियो
शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.
मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

पूज्य बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन में जो लोग अन्यों का विचार करते हैं, परमपिता उन पर सदैव ध्यान रखते हैं. जिन पर प्रभु की निगाह होती है, उस पर कभी किसी बुरी निगाह का असर नहीं पड़ सकता है. इसलिए सदैव स्वार्थ नहीं बल्कि यह सोचने की कोशिश करना कि आप अगर किसी को थोड़ा सा देंगे तो प्रभु आपको भरपूर देगा. भूखे को भोजन, प्यासे को पानी पिलाने के साथ ही अपने माता-पिता का आशिर्वाद लेने वाले को दूसरे आशिर्वाद की जरूरत नहीं पड़ती है. इसलिए सदैव ध्यान रखें, हम भले तो जग भला वाले सिद्धांत पर चलने वाले लोग कभी जीवन में परेशान नहीं होते हैं. आप भी ऐसा ही करने का प्रयास करें, फर्क जरूर दिखाई देगा.

विदर्भ स्वाभिमान

❖ अमरावती, गुरूवार 3 से 9 अक्तूबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 15 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे. इस मानवीयता के नेक काम में आप विज्ञापन के माध्यम से हमें सहयोग देकर इस कड़ी को बढ़ाने का प्रयास करें.

पद, प्रतिष्ठा न कभी किसी के साथ हमेशा रही है न रहती है. लेकिन जिन लोगों ने पद और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित में किया रहता है, वे बिना पद के भी सम्मानित रहते हैं. मरने के बाद भी नहीं मरने वाले लोगों में उनका नाम रहता है. इसलिए सदैव अच्छी सोचते हुए अच्छा करना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com